प्रेस विज्ञप्ति

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली

09 **सितंबर 2025**

भारत में वैश्विक ऑडिट नेताओं का जुटान, टेक्नोलॉजी आधारित सुशासन पर होगा मंथन

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) **आज से चार दिवसीय एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेज़बानी कर रहे हैं, जिसमें** 29 **से अधिक देशों के वरिष्ठ अधिकारी और ऑडिट प्रमुख शामिल हो रहे हैं। इस बहुपक्षीय आयोजन का उद्देश्य यह समझना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता** (AI), **डेटा एनालिटिक्स और जियोस्पेशियल टूल्स जैसी उभरती तकनीकों का उपयोग सार्वजनिक ऑडिट प्रणालियों को कैसे बेहतर बना सकता है और शासन को कैसे अधिक पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाया जा सकता है।**

इस वैश्विक संवाद में अंतरराष्ट्रीय सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थानों (INTOSAI) **के आईटी ऑडिट कार्य समूह** (WGITA) **की** 34**वीं वार्षिक बैठक, एआई और उभरती तकनीकों पर एक उच्च स्तरीय सम्मेलन, तथा** INTOSAI **के नॉलेज शेयरिंग कमेटी की** 17**वीं संचालन समिति की बैठक शामिल हैं।** INTOSAI **एक वैश्विक निकाय है जो दुनिया भर के राष्ट्रीय लेखा परीक्षक संस्थानों** (Supreme Audit Institutions – SAIs) **का प्रतिनिधित्व करता है और सार्वजनिक क्षेत्र की लेखा परीक्षा को सशक्त बनाने व वित्तीय जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए कार्य करता है।**

भारत, जो फिलहाल WGITA **और नॉलेज शेयरिंग कमेटी दोनों की अध्यक्षता कर रहा है, वैश्विक स्तर पर प्रौद्योगिकी-आधारित लेखा परीक्षा रणनीतियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका**

निभा रहा है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक श्री के. संजय मूर्ति के नेतृत्व में CAG कार्यालय कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बिग डेटा और उपग्रह तकनीक को सरकारी खर्च की निगरानी और मूल्यांकन के लिए सक्रिय रूप से अपना रहा है।
चीन, पोलैंड, मिस्र, दक्षिण अफ्रीका और एस्टोनिया जैसे देशों के प्रतिनिधिमंडल इस चर्चा में भाग ले रहे हैं। यह सम्मेलन विभिन्न देशों के अनुभव साझा करने, वैश्विक लेखा परीक्षा मानकों को तकनीकी विकास के अनुरूप ढालने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मज़बूत करने का अवसर प्रदान करता है।

10 सितंबर को WGITA की बैठक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनाई जा रही नई ऑडिट पद्धतियों पर चर्चा होगी, जिसमें एआई टूल्स, ऑडिट डेटाबेस और आगामी कार्य योजनाओं पर विचार किया जाएगा। 11 सितंबर को एआई और उभरती तकनीकों पर केंद्रित शिखर सम्मेलन में IIT मद्रास के निदेशक डॉ. वी. कामकोटी मुख्य भाषण देंगे, जिसमें वे एआई के वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डालेंगे। इसके बाद एक उच्च स्तरीय पैनल यह विचार करेगा कि वैश्विक चुनौतियों जैसे जलवायु परिवर्तन, समावेशन और भ्रष्टाचार के खिलाफ ऑडिट संस्थाएं किस प्रकार तकनीक का उपयोग कर रही हैं।

सम्मेलन का अंतिम दिन, 12 सितंबर, नॉलेज शेयरिंग कमेटी की संचालन समिति की बैठक को समर्पित रहेगा, जिसमें रणनीतिक प्राथमिकताओं पर विचार और वैश्विक सहयोग की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। इस अवसर पर भारत 'पीएम गतिशक्ति' पहल—जो एक प्रमुख अवसंरचना नियोजन मंच है—पर अपनी प्रस्तुति भी देगा।

ये आयोजन भारत की वैश्विक लेखा परीक्षा समुदाय में बढ़ती भूमिका और नवाचार व अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। आम नागरिकों के लिए इसका सीधा लाभ यह है कि बेहतर ऑडिट से करदाताओं के पैसे का अधिक जिम्मेदार उपयोग सुनिश्चित होता है, संस्थान मज़बूत बनते हैं और सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर होती है। भारत के CAG द्वारा इस वैश्विक मंच का नेतृत्व करना न केवल राष्ट्रीय लेखा सुधारों को आगे बढ़ा रहा है, बल्कि वैश्विक स्तर पर एक

अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और डिजिटल रूप से सशक्त दुनिया के निर्माण में भी योगदान दे रहा है।

BSC/SS/TT/58-25